

प्रेषक,

अजय सिंह नबियाल,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 29 दिसम्बर, 2009

विषय: नाबार्ड वित्त पोषित योजनाओं के लिए वर्ष 2009-10 हेतु धनावंटन प्रस्ताव।  
महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्रसंख्या 3929/मु0अ0वि0/बजट/बी-1, सामान्य दिनांक 16.09.09 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के अन्तर्गत नाबार्ड वित्त पोषित RIDF-XI, XII, XIII, XIV एवं XV के अन्तर्गत नलकूप निर्माण, नहर निर्माण एवं लघुडाल नहर निर्माण की निर्माणाधीन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आपकी मांग को देखते हुए रु0 1413.69 लाख (रु0 चौदह करोड़ तेरह लाख उन्हत्तर हजार मात्र) तथा नाबार्ड से संलग्नक-1 के अनुसार स्वीकृत योजनाओं के लिए रु0 2314.22 लाख की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति एवं रु0 567.92 लाख कुल रु0 1981.61 लाख (रु0 उन्नीस करोड़ इक्यासी लाख इकसठ हजार मात्र) की धनराशि संलग्नक-2 के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं :-

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं निर्माण कार्य की त्रैमासिक वित्तीय एवं भौतिक प्रगति वित्त विभाग एवं नाबार्ड को भी उपलब्ध कराई जाय।
2. उक्त धनराशि का उपयोग नाबार्ड की गार्ड लाइन्स का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यकता एवं मितव्ययता का ध्यान रखते हुए किया जाय।
3. निर्माण कार्यों में भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
4. आवश्यकतानुसार भूगर्भ वैज्ञानिक/ज्योलोजिस्ट से आवश्यक सहमति प्राप्त की जाय।
5. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार महालेखाकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
6. धनराशि का कोषागार से आहरण आवश्यकता से अधिक किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के आहरण से पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जाय कि योजनायें नाबार्ड द्वारा पूर्व में स्वीकृत की जा चुकी हैं। यदि बिना अनुमोदित योजना पर धनराशि व्यय की जायेगी तो उसके समस्त उत्तरदायित्व विभागाध्यक्ष का ही होगा।



8. कार्य की गुणवत्ता समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।
9. विभागाध्यक्ष के निस्तारण पर जो धनराशि रखी जा रही है वह उनके द्वारा आहरण एवं वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
10. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण प्रतिमाह बी0एम0-17 पर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय की अनुदान सं0-20 के अन्तर्गत संलग्नक-2 में उल्लिखित सुसंगत उप-लेखाशीर्षकों में सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 संख्या 775/XXVII/(1)/09 दिनांक 23 दिसम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।  
संलग्न-यथोक्त।

भवदीय,

(अजय सिंह नबियाल)  
अपर सचिव।

संख्या 4229/11-2005-04(28)/03 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को संलग्नकों सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा0 मंत्री सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं पेयजल को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-1
4. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय देहरादून।
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. अधिशासी निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

संलग्न-यथोक्त

आज्ञा से,

(एस0एस0 टोलिया)  
अनु सचिव।



क्र. स.	योजना का नाम	योजना की लागत
	<b>RIDE-XV</b>	
1	जनपद नैनीताल के कोटाबाग वि०ख० के अन्तर्गत पतलिया ग्राम में 01 सं० नलकूप निर्माण की योजना	55.57
2	जनपद हरिद्वार के रुड़की, नारान एवं बहादुराबाद वि०ख० के अन्तर्गत 27 सं० नलकूप निर्माण की योजना	726.57
3	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विभिन्न वि०ख० में 07 सं० मिनी नलकूप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली निर्माण योजना	97.58
4	जनपद टिहरी गढ़वाल के विभिन्न वि०ख० में 11 सं० मिनी नलकूप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली निर्माण योजना	153.34
5	जनपद उत्तरकाशी के विभिन्न विकास खण्ड में 09 सं० मिनी नलकूप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली निर्माण योजना।	125.46
6	जनपद रुद्रप्रयाग के विभिन्न विकास खण्ड में 03 सं० मिनी नलकूप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली निर्माण योजना	41.82
7	जनपद चमोली के विभिन्न विकास खण्ड में 05 सं० मिनी नलकूप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली निर्माण योजना	69.70
8	जनपद रुद्रप्रयाग में रतूड़ा एवं नगरासू में 02 सं० लिफ्ट सिंचाई योजना का निर्माण	279.15
9	जनपद नैनीताल के गोलापार क्षेत्र में 41.591 किमी० नहर के पुनरोद्धार की योजना	321.76
10	जनपद टिहरी गढ़वाल के कीर्तनगर वि०ख० के अन्तर्गत मलेथा एवं रानीहाट नहर की पुनरोद्धार एवं सुदृढीकरण की योजना	171.96
11	जनपद देहरादून के अन्तर्गत रायपुर वि०ख० में बीजापुर नहर के पुनरोद्धार एवं विस्तारीकरण की योजना।	271.31
	<b>योग</b>	<b>2314.22</b>

(रु० तेईस करोड़ चौदह लाख बाईस हजार मात्र)

(एस०एस० टोलिया)  
अनु सचिव



शासनादेश संख्या 4229/11-2005-04(28)/03 दिनांक 29.12.09 का संलग्नक-2

क्र. स.	योजना का नाम व शीर्षक	2009-10 के लिए प्राविधान	अवमुक्त की गयी धनराशि	व्यय 30.09.09 तक	प्राविधान के सापेक्ष शेष धनराशि	प्रस्तावित आवंटन
	अनुदान संख्या-20 लेखाशीर्षक 4700 मुख्य सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय -04 नलकूपों का निर्माण 800 अन्य व्यय 02 अन्य रख-रखाव व्यय 0201 नाबार्ड (आरआईडीएफ 8 योजना)-24 वृहत् निर्माण कार्य	3799.98	1571.86	1364.55	2228.12	1353.57
	4700 मुख्य सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय 06 निर्माणाधीन सिंचाई नहरें/अन्य योजनायें 800 अन्य व्यय 02 अन्य रख-रखाव व्यय 0202 नाबार्ड वित्त पोषित नहरों का निर्माण 24 वृहत् निर्माण कार्य	3500.00	1408.47	701.32	2091.53	516.87
	4700 मुख्य सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय 07 उत्तरांचल की लघुडाल नहरों का पुनरोद्धार 800 अन्य व्यय 02 अन्य रख-रखाव व्यय 0203 नाबार्ड वित्त पोषित नहरों का निर्माण 24 वृहत् निर्माण कार्य	300.00	135.00	45.14	165.00	111.17
	योग	7599.98	3115.33	2111.01	4474.65	1981.61

(रु0 उन्नीस करोड़ इक्यासी लाख इकसठ हजार मात्र)

(एस0एस0 टोलिया)  
अनु सचिव